समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

WTC फाइनल की राह पर फिर भी भारत : अगले 10 टेस्ट मे चांहिए 7–8 जीत, जाने पूंरा गणित

Publisher | Published on 17 Nov 2025

भारत की क्रिकेट टीम को हाल ही में South Africa national cricket team के खिलाफ कोलकाता में घरेलू टेस्ट मैच में 30 रन से हार का सामना करना पड़ा, जिसने ICC World Test Championship 2025-27 (WTC) के फाइनल में पहुँचने की उनकी संभावनाओं को झटका दिया। हालाँकि यह हार भारतीय टीम के लिए पूरी तरह से खत्म होने का संकेत नहीं है, लेकिन अब खेल नियति की बजाय गणित की चाबी पर आ गया है। अब टीम इंडिया के पास सामने अगले **10 टेस्ट मैच** हैं, जिनमें उन्हें चूक का कोई मौका नहीं है। ([turn0search0]turn0search0)

पॉइंट्स प्रतिशत (PCT) को ध्यान में रखते हुए यह समझना ज़रूरी है कि लगभग 65 % या उससे ऊपर की PCTHistorically फाइनल की दौड़ में सुरक्षित मानी गई है। वर्तमान स्थिति में टीम इंडिया की PCT 54.17 % के आसपास पहुंच चुकी है। ([turn0search4]turn0search4 इस मायने में, टीम के सामने एक कठिन लेकिन नामुमकिन नहीं चुनौती बनी हुई है।

[illegible]?

विश्लेषकों के मुताबिक, अगले दस टेस्ट में टीम इंडिया के लिए दो मार्ग संभव हैं:

- **सुरक्षित मार्ग**: दस में से कम-से-कम **8 जीत** दर्ज करना। इस स्थिति में, मान लीजिए दो मैच ड्रॉ हो जाते हैं, तो यह PCT ≈ 68.5 % तक पहुँच सकती है, जो फाइनल के लिए काफी माना गया स्तर है। ([turn0search4]
- **न्यूनतम मार्ग**: "केवल" **7 जीत**, एक ड्रॉ और दो हार। इससे PCT लगभग 64.8 % तक जाएगी, जो इतिहास में फाइनल में पहुँचने वाले टीमों की तुलना में थोड़ा कम हो सकती है, लेकिन अन्य टीमों के नतीजों पर निर्भर रहते हुए मौका बना सकती है। ([turn0search0]

□□□□ □□ □□□□□□□□?
भारत के पास अभी 10 टेस्ट बाकी हैं, जिसमें घरेलू और विदेशी दोनों तरह की चुनौती शामिल है। घरेलू स्तर पर भारत को मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद है, लेकिन विदेशी परिस्थितियों में उसे अतिरिक्त संघर्ष करना होगा। ([turn0search4]

□□ □□□□ □□□□ □□□□?

- टीम को **हर मैच को 'नॉकआउट' समझना होगा**, यानी गलती की गुंजाइश न्यूनतम रखना होगा।
- घरेलू टेस्ट सीरीज़ में अपना दबदबा कायम करना होगा, क्योंकि घरेलू जीत से PCT बेहतर बढ़ सकती है।
- विदेशी मैदानों पर विशेष रूप से स्थिरता दिखानी होगी, क्योंकि चुनौती ज्यादा है।
- ड्रॉ को बहुत सोच-समझकर स्वीकार करना होगा — जितना संभव हो जीत की ओर जाना होगा क्योंकि ड्रॉ से मिलने वाले अंक बहुत कम हैं।

□□□□ □□□□ □□?
अगर भारत अगले दस में से **3 हार** या **4 हार** तक पहुँचता है, तो उनकी PCT 60 % से नीचे गिर सकती है, जिससे फाइनल से बाहर होने का जोखिम काफी बढ़ जाएगा। ([turn0search6]

□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□□:
यह क्षण केवल तकनीकी नहीं बल्कि मानसिक चुनौती है। कप्तान Shubman Gill एवं टीम को यह एहसास होना चाहिए कि अब उनका फोकस "जितना संभव हो जितना जल्दी" में बदल गया है। कमजोर प्रतिक्रिया, चूक या विसंगत प्रदर्शन अब माफी नहीं मिलेगा।

□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□:
हालाँकि दबाव बहुत है, लेकिन अगर भारत ने बताया गया गणित अच्छी तरह समझ लिया और अगले दस मैचों में 7-8 जीत दर्ज की, तो अभी भी उनके पास फाइनल में पहुँचने का दरवाज़ा खुला है। टीम को अब अपने काम और रणनीति को एक नई दिशा देने की जरूरत है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.